महाकाली आरी रे काली केश विकराल हाथ में कटारी रे

महाकाली आरी रे,
ओ काली केश विकराल,
हाथ में कटारी रे,
ओ डट रे संकट थोड़ी देर,
महांकाली आरी रे।bd।

जब तक माँ मेरे साथ में तू,
कुछ न बिगाड़ पायेगा,
मेरे पीछे जोर जमावे,
उसके आगे हार जायेगा,
खप्पर धारी रे,
ओ डट रे संकट थोड़ी देर,
महांकाली आरी रे।bd।

जो शक्ति से अनजान तू,
थने महिमा आज बताऊ में,
शुम्भ निशुम्भ मारन वाली,
महाकाली से मिलवाउ में,
रक्त पीवणनारी रे,
ओ डट रे संकट थोड़ी देर,
महांकाली आरी रे।bd।

माँ राक्षश ने संगार के,
पहने मुंडो की माला रे,
जब लगे ललकार हे,
उसकी लगे जुबा पर ताला रे,
क्रोध में आरी रे,
ओ डट रे संकट थोड़ी देर,
महांकाली आरी रे।bd।

महाकाली की बड़ी लाड़ली,
महिमा करिश्मा गावे हे,
तेरा धर्म भगत भी कहता,
तेरे बिना रहा न जावे हे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मिलण आरी रे,
ओ डट रे संकट थोड़ी देर,
महांकाली आरी रे।bd।

महाकाली आरी रे,
ओ काली केश विकराल,
हाथ में कटारी रे,
ओ डट रे संकट थोड़ी देर,
महांकाली आरी रे।bd।

प्रेषक और गायक – धर्मेंद्र तंवर।
9829202569

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com